देश के लिए.....अव्यवस्था के खिलाफ.....

जवाब दो!!!सरकार...

www.jawabdosarkar.com

जवाब दो!!! सरकार
www.jawabdosarkar.com
देश का पहला जवाबदेही पोर्टल

रेफरेंस संख्या –2020/syst/02 | E-Newsletter, Issued in Public Interest | शनिवार, 11 अप्रैल 2020

राहत सामग्री की बंदर बाँट

कुछ लालची और मौकापरस्त लोगो के कब्जे में कई मजबूर व्यक्तियों लोगो का राशन

मानसरोवर के सेक्टर 123 की घटना, एक दूसरे पर लगाए आरोप

राहत सामग्री का क्रेडिट लेने की होड़ में भाजपा-कांग्रेस कार्यकर्ता आमने-सामने

कोरोना संक्रमण की मार से जनता परेशान है। लॉकडाउन लगातार जारी रहने से अब तो जनता के पास राशन भी खत्म होने लगा है। ऐसे में वे सरकार की ओर उम्मीद भरी निगाहों से देख रहे हैं। लेकिन यहां भी राजनीति ने पैर पसार लिए हैं। राशन सामग्री वितरण में अपने-अपने नाम के चक्कर में जनता परेशान हो रही है। मानसरोवर के सेक्टर 123 में शुक्रवार को यही कुछ देखने को मिला। कांग्रेस व भाजपा कार्यकर्ता आमने-सामने हो गए।

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जयपुर. कोरोना वायरस के बीच गरीबों को राहत पहुंचाने में अब राजनीति आड़े आने लगी है। शुक्रवार को संगानेर विधानसभा क्षेत्र के मानसरोवर इलाके में भाजपा-कांग्रेस कार्यकर्ता आमने सामने हो गए। मानसरोवर के सेक्टर 123 में नगर निगम की टीम राशन बांटने पहुंची तो क्रेडिट लेने की होड़ में भाजपा-कांग्रेस कार्यकर्ता आपस में भिड़ गए। भिड़न्त में तीन-चार लोगों के मामूली चोट भी लगी। घटना के बाद में भाजपा विधायक अशोक लाहोटी ने कांग्रेसियों पर हमले का आरोप लगाया। वहीं, कांग्रेस से विधानसभा उम्मीदवार रहे पुष्पेंद्र भारद्वाज ने विधायक लाहोटी और उनके कार्यकर्ताओं पर बौखलाहट की राजनीति करने के आरोप लगाए।

झगड़े में घायल लोग।

ये है मामला

निगम की टीम गाड़ी लेकर राशन बांटने के लिए पहुंची थी। गाड़ी पूर्व पार्षद मुकेश लख्यानी के घर के पास खड़ी हुई तो इसका कांग्रेस की मंजू सोनी व मुकेश मीणा ने विरोध किया। मामला इतना बढ़ा कि दोनों पक्षों में मारपीट हो गई। लख्यानी के भाई माधव और अजय शर्मा घायल हो गए। लख्यानी ने बताया कि कांग्रेस कार्यकर्ता बेवजह मामले को तूल देने के लिए पहुंचे और मारपीट शुरू कर दी। एसआई मानसिंह ने बताया कि दोनों तरफ के कुछ व्यक्तियों के हल्की चोट लगी है, हालांकि बाद में दोनों पक्ष समझौता कर चले गए। सांगानेर विस प्रभारी दिलीप सिंह ने बताया कि अब पुलिस को भी लेकर जाएंगे।

प्रशासन कर रहा भेदभाव

विधायक लाहोटी ने कहा कि प्रशासन की ओर से राशन वितरण में लगातार अनियमितता और भेदभाव किया जा रहा है। कलक्टर को भी अवगत करवाया , लेकिन कांग्रेस के लोग अपने लोगों में ही इसका वितरण करवा रहे हैं। बहुसंख्यक जरूरतमंदों तक राशन नहीं पहुंच रहा है। इसका विरोध किया तो कांग्रेसियों ने भाजपा कार्यकर्ताओं पर हमला करवाया।

पूर्व पार्षद ने की मारपीट

कांग्रेस नेता पुष्पेंद्र भारद्वाज ने कहा कि चिन्हित गरीब और जरूरतमंद जनता के राशन को विधायक लाहोटी के लोग लगातार अपने चहेतों को दिलवा रहे हैं। प्रशासन को भी इसकी शिकायत की है। भाजपा के पूर्व पार्षद आर्थिक रूप से संपन्न लोगों को गरीबों का राशन बंटवा रहे थे, इसका विरोध करने पर कांग्रेस के कार्यकर्ताओं के साथ पूर्व पार्षद और उसके भाई ने मारपीट की।

पत्रिका
पत्रिका व्यू

कैलेंडर हो घोषित

राहत सामग्री और जरूरत के सामान वितरण में अराजकता सामने आ रही है, उससे साफ है कि व्यवस्थाएं नाकाफी हैं। राजनीति तो खैर खुलकर उजागर हो ही रही है। अफसरों व कर्मचारियों की फौज के बावजूद ऐसी तमाम गलियां और इलाके अछूते रहे गए हैं, जहां मदद नहीं पहुंच सकी है। क्या विपदा के इस दौर में भी मुंह देखकर मदद पहुंचाई जा रही है? इससे तो आपस में विश्वास की डोर और भी कमजोर होगी। वोट की उम्मीद में मदद पहुंचाने की कवायद से बीमारी नहीं रुकने वाली। सरकार को चाहिए कि स्थिति को नियंत्रण में लेकर क्षेत्रवार कैलेंडर घोषित करे कि कब और किस जगह मदद पहुंचेगी?

तीन बार बदली जा चुकी है व्यवस्था

शहर में खाद्य सामग्री वितरण की नहीं संभल रही व्यवस्था

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जयपुर. जयपुर में सूखी खाद्य सामग्री का वितरण जिला प्रशासन के लिए सिर दर्द बना हुआ है। अब तो अधिकारी इस जिम्मेदारी को लेने से ही बचने लगे हैं। जबकि खाद्य सामग्री से लेकर हर काम की मॉनिटरिंग को लेकर जयपुर में जिला प्रशासन के साथ 7 आइएएस, 100 से अधिक आरएएस और बड़ी संख्या में अधिकारी-कर्मचारी लगे हुए हैं। इसके बावजूद सभी जरूरतमंदों को अब तक खाद्य सामग्री नहीं पहुंच सकी है। राजनीतिक हस्तक्षेप के चलते खाद्य सामग्री वितरण व्यवस्था को तीसरी बार बदला गया है।

शुरूआती दिनों में जिम्मेदारी सिविल डिफेंस को दी गई थी। लेकिन राजनीतिक विरोध के बाद इसे थाना स्तर पर शुरू करवाया गया। यह व्यवस्था भी सफल नहीं हो पाई। कांग्रेस विधायकों के कहने पर अब वितरण निगम के जरिए करवाया जा रहा है। पर आरोप लगाए जा रहे हैं कि विस क्षेत्रों में कार्यकर्ता चहेतों को ही राशन बांट रहे हैं।

शहर आठ विधानसभा क्षेत्रों में बंटा है और प्रत्येक में 15 हजार जरूरतमंद बताए जा रहे हैं।

झालाना कुंज बस्ती में राशन नहीं मिलने पर लोग धरने पर बैठ गए। लोगों की शिकायत है कि उन्हें राशन देने के लिए कोई व्यवस्था नहीं की। विभिन्न संस्थाएं राशन लेकर आती हैं, जो परिचितों को देकर चले जाते हैं। लोगों ने कहा कि कई परिवारों के पास खाने का सामान नहीं है।

यों हो रही मुश्किल

केस -1 : प्रताप नगर इलाके में लगभग 250 परिवारों के सामने राशन का संकट है। इनको प्रशासन से मदद अब तक नहीं पहुंच सकी है। वहीं राशन दुकान से भी गेहूं नहीं मिल रहे हैं। सेक्टर 8 के व्यापार मंडल अध्यक्ष राजेंद्र पटेल ने बताया कि डीलर कार्ड को ऑनलाइन करने की बात कहकर लौटाया जा रहा है।

केस-2 : हीरा की मोरी में फंसे 25 मजदूर और उनके परिवार के लिए राशन नहीं मिल पा रहा है। पांच दिन में एक बार सूखा राशन उपलब्ध करवाया गया है। लेकिन परिवार में 10 बच्चे और 15 बड़े लोग होने के कारण सामग्री खत्म हो गई।

मिसाल

करनाल के मॉडल की सराहना

खाद्य सामग्री वितरण को लेक... हरियाणा के करनाल मॉड... की प्रशंसा हो रही है। करनाल ... एडीएम ए फैमली कांसेप्ट के ता... लोगों को घर-घर राशन पहुंचाया ज... रहा है। इसके जरिए अब तक 1... हजार परिवारों की मदद की जा चुक... है। वहां प्रशासन ने नगर निगम ... जरिए विकास समितियों को सा... लेकर इलाके में जरूरतमंदों की सू... तैयार करवाई और समितियों ... जरिए ही राशन वितरण का का... शुरू किया।

कई बार चेताने के बावजूद राजनैतिक व्यक्तियों की मौकापरस्ती ख़त्म होने का नाम नही ले रही है|अभी तक तो सत्तारूढ़ पार्टी के जन प्रतिनिधि कानून को धत्ता बताते हुए कर्फ्यू का खुलेआम उल्लंघन कर, खुद ही राहत सामग्री बाँट रहे थे|परन्तु अब तो हद ही हो गयी लगता है|अब तो सत्तारूढ़ और प्रमुख विपक्षी पार्टियों में राहत सामग्री की बंदरबांट को लेकर सिर फुट्व्वल की नौबत तक आ चुकी है|ऐसी ही एक घटना में सांगानेर विधानसभा के विधायक अशोक लाहोटी

और यही से कांग्रेस के हारे हुए उम्मीदवार पुष्पेन्द्र भारद्वाज के कार्यकर्ताओं के बीच राहत सामग्री के वितरण को लेकर हाथापाई तक हो गयी|परन्तु सरकार है कि इन लोगो के विरुद्ध कोई सख्त कदम नहीं उठाकर इन लोगो के गैरकानूनी क्रत्यों को बढ़ावा दे रही है|

प्रशासन की नाकामी

इन सब घटनाओं से स्थानीय प्रशासन की नाकामी साफ़ नजर आती है,यह हालात तो तब है जबकि यह खुद राजधानी क्षेत्र है और सरकार के सभी बड़े नुमायिंदे यही बैठते है|सरकार ने अपने कई आला अधिकारीयों को जयपुर में कोरोना महामारी से लड़ने के लिए लगाया हुआ है|परन्तु इसके बावजूद यहाँ पर प्रशासन के कामों में राजनैतिक दखलंदाजी साफ़ देखी जा सकती है|

कर्फ्यू में भीड़ जुटाने की शिकायत

जयपुर @ पत्रिका. कोतवाली थाने में विधायक अमीन कागजी और अन्य लोगों के खिलाफ कर्फ्यूग्रस्त क्षेत्र में भीड़ जुटाने की शिकायत दी गई है। मालवीय नगर निवासी एडवोकेट पूनमचंद भंडारी ने यह शिकायत दी। उन्होंने नमक की मंडी में कर्फ्यू लगने के बावजूद राशन बांटने पहुंचे लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई करने की मांग की है। थानाधिकारी यशवंत सिंह ने बताया कि शिकायत की जांच की जा रही है। शिकायतकर्ता को दस्तावेज उपलब्ध करवाने के लिए कहा गया है।

श्री पूनमचंद भंडारी का साधुवाद

स्थानीय विधायक अमीन कागजी द्वारा कर्फ्यू का उल्लंघन कर अपने लोगो को राहत सामग्री बांटने के विरुद्ध स्थानीय एडवोकेट श्री पूनम चंद भंडारी द्वारा कोतवाली पुलिस को शिकायत कर FIR दर्ज करने की मांग की गयी है|

सत्तारूढ़ पार्टी के कार्यकताओं ने राहत सामग्रियों कर कब्जा किया|अपने लोगो के घर भर दिए,जबकि मजबूर लोगों तक नहीं पहुच रही राहत सामग्री|

सामने आया है कि सत्तारूढ़ पार्टी के कुछ कार्यकर्ताओं ने राहत सामग्रियों पर कब्ज़ा कर लिया है और यह लोग खुद के और अन्य चापलूस,मुहलगे कार्यकर्ताओं के घर भरने में लगे हुए है|यही नहीं, वायरल हो रहे मेसेजों के अनुसार यह लोग इन राहत सामग्रियों के बदले दुकानदारों ने अन्य चीजों का मोलभाव करते हुए भी नजर आ रहे है|वहीँ दूसरी और शहर के बाहरी इलाकों में वास्तविक जरूरतमंद लोगों के पास यह राहत सामग्री पहुच ही नहीं पा रही है|यह लोग स्थानीय निवासियों की सहायता से ही इस कठिन समय को काटने को मजबूर है|

कैसे लड़ेंगे कोरोना से?

इस कठिन समय में सोशल डिस्टेंन्सिंग को बरकरार रखने के लिए आवश्यक है कि जरूरतमंद लोगो तक उनकी आवश्यकता के अनुसार सुखी या तैयार भोजन व्यवस्था की जाए और यह काम सरकारी तंत्र से ही बखूबी कराया जा सकता है क्यूंकि इन कर्मचारियों की जवाबदेही सुनिश्चित की जा सकती है|इसके लिये जरुरी है कि निर्वाचन व्यवस्था में लगे लोगो की सेवाएं ली जाये क्यूंकि यही तंत्र है जिसकी पकड़ हर परिवार और हर व्यक्ति तक होती है|BLO से बेहतर यह काम कोई अन्य व्यक्ति नही कर सकता है जरुरी है कि स्थानीय BLO के नेतृत्व में ही टीम बनाकर राहत सामग्री का वितरण किया जाये|